

**3** तृतीयः पाठः

# छात्रयोः संवादः

## लृट् व लोट् लकार (भविष्य काल व आज्ञार्थक)

मोहनः - त्वं श्वः कुत्र गमिष्यसि ?

सोहनः - अहं श्वः ग्रामं गमिष्यामि।

मोहनः - तव ग्रामः कुत्र अस्ति ?

सोहनः – मम ग्रामः इतः विंशतिः किलोमीटराणां दूरम् अस्ति। तस्य नाम मीरापुरम् अस्ति।

मोहनः - त्वं तत्र किं करिष्यसि ?

सोहनः — तत्र मम जनकः जननी च वसतः। अहं तयोः विविधेषु कार्येषु सहायतां करिष्यामि।

मोहनः – अधुना तत्र किं कार्यं भवति ?

सोहनः — अधुना तत्र कृषिकार्यं तु न भवति, यतः कृषिकार्यस्य समयः न अस्ति। वर्षाऋतौ कृषिकार्यं भविष्यति। तदा क्षेत्रेषु अन्नानां बीजानि वप्स्यामः।

मोहनः – तव ग्रामे कानि–कानि अन्नानि भविष्यन्ति ?

सोहनः – मम ग्रामे वर्षाकाले मकुष्टकः, द्विदलम्, धान्यानि च भवन्ति तथा शीतकाले गोधूमाः, यवाः, चणकाः च भविष्यन्ति।

मोहनः — अहम् अपि कदाचित् त्वया सह तत्र गमिष्यामि, द्रक्ष्यामि च।

सोहनः - अवश्यम् अहं त्वां नेष्यामि।

मोहनः - शुभं ते भवतु।

### शब्दार्थाः (WORD MEANINGS)

खेती कृषि Agriculture कहाँ Where कुत्र विंशतिः बीस Twenty Far दूरम् दूर वहाँ तत्र There जननी माता Mother यहाँ से From here इतः गेहूँ गोधूमाः Wheat जौ यवाः Barley चने चणकाः Gram मकुष्टकः मक्का Maize कभी कदाचित् Ever कल (आनेवाला) श्व: Tomorrow तेरा कल्याण हो शुभं ते भवतु God may bless you

#### क्रिया (VERB)

नेष्यामि (नी) ले जाऊँगा Will carry वप्त्यामः (वप्) बोयेंगे Will sow द्रक्ष्यामि (दृश्) देखूँगा Will see

#### याद रखिए

- जिस वाक्य के अन्त में गा, गी, गे आता है उसकी क्रिया भविष्य काल (लृट् लकार)
  की होती है। जैसे बालकः पिठिष्यति।
- 2. जिस वाक्य के अंत में आज्ञा, प्रार्थना, इच्छा, आशीर्वाद आदि का भाव हो उसकी क्रिया लोट् लकार की होती है। जैसे सः पुस्तकं पठतु।

### मौखिक (Oral)



- 1. अपने मित्र से 'खेलों की आवश्यकता' पर छोटा सा संस्कृत में संवाद करने का प्रयास करो (Have conversation in Sanskrit with your friend about 'importance of games') —
- 2. उच्चारण कीजिए (Pronunciate) -

A CONTRACTOR	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ
उत्तम पुरुष	गमिष्यामि	गमिष्यावः	गमिष्यामः

### लिखित (Written)



- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए (Answer the following questions in Sanskrit)
  - (क) सोहनस्य ग्रामस्य नाम किम् अस्ति ?
  - (ख) ग्रामे किं कार्यं भवति ?
  - (ग) वर्षाकाले कृषकाः क्षेत्रेषु किं-किं वपन्ति ?
  - (घ) शीतकाले कृषकाः क्षेत्रेषु किं-किं वपन्ति ?

(क)				s in Sanskrit) —	
(4.)	अहम्				
(ख)	त्वम्				
(ग)	ग्रामः				
(ঘ)	विंशतिः				
(ঙ)	ष्टवः				
पद	परिचय दीवि	जए (Recogniz	e the following)	_	
	शब्द	धातु	लकार	पुरुष	वचन
(ক)	गमिष्यति			California (ministra de la california de	
(ख)	अस्ति				-
(ग)	करिष्यामि				
(घ)	भवतु	76.			-
(ङ)	वसतः				
					A Sept.
(च)	द्रक्ष्यामि				
		त्र की जिए (उ	anslate into San	skrit) —	
संस्वृ	ठत में अनुवा		anslate into San	skrit) —	
			anslate into San	skrit) —	
संस्वृ (क)	व्त में अनुवा यहाँ एक र	गाँव है।			
संस्वृ	व्त में अनुवा यहाँ एक र	गाँव है।	anslate into San		
संस्कृ (क) (ख)	व्हाँ एक यहाँ एक आजकल	गाँव है। गाँव में कृषि क			
संस्कृ (क) (ख)	व्हाँ एक यहाँ एक आजकल	गाँव है।			
संस्कृ (क) (ख)	व्हाँ एक यहाँ एक आजकल	गाँव है। गाँव में कृषि क			
संस्वृ (क) (ख) (ग)	यहाँ एक उ आजकल लड़िकयाँ	गाँव है। गाँव में कृषि क	गर्य नहीं होता है।		
संस्वृ (क) (ख) (ग)	यहाँ एक उ आजकल लड़िकयाँ	गाँव है। गाँव में कृषि क खेल रही हैं।	गर्य नहीं होता है।		
संस्कृ (क) (ख) (ग) (घ)	यहाँ एक उ आजकल लड़िकयाँ	गाँव है। गाँव में कृषि क खेल रही हैं। बाना खाते हो	गर्य नहीं होता है।		